भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

मौखिक प्रश्न सं. 7 #

गुरूवार, 29 जनवरी, 2026/9 माघ, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

सिंहस्थ कुंभ मेले के लिए बुनियादी ढांचा और सुरक्षा व्यवस्था

7 # श्रीमती सुनेत्रा अजीत पवार:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार नासिक-त्र्यंबकेश्वर में आयोजित होने वाले आगामी सिंहस्थ कुंभ मेले 2026-27 के लिए बुनियादी ढांचे और सुरक्षा व्यवस्था के विकास की प्रगति से अवगत है;

(ख) क्या केंद्र सरकार ने इस आयोजन के वैश्विक महत्व को देखते हुए, महाराष्ट्र सरकार द्वारा मांगे गए विशेष वित्तीय पैकेज को मंजूरी दे दी है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या श्रद्धालुओं की भारी संख्या को ध्यान में रखते हुए रेलवे स्टेशनों के विस्तार, अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन और 'नदी तट (रिवर फ्रंट)' के विकास के लिए कोई विशिष्ट कार्य योजना तैयार की गई है; और

(घ) क्या सरकार इस महापर्व को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने और विदेशी पर्यटकों को सुविधा प्रदान करने के लिए कोई विशेष कदम उठा रही है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

श्रीमती सुनेत्रा अजीत पवार द्वारा सिंहस्थ कुंभ मेले के लिए बुनियादी ढांचा और सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में दिनांक 29.01.2026 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के मौखिक प्रश्न संख्या 7 # के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

(क): पर्यटन स्थलों का विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय, प्रशाद और स्वदेश दर्शन नामक अपनी जारी योजनाओं के माध्यम से पर्यटन अवसंरचना का विकास करके राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयासों को संपूरित करता है। यह कार्य राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय ने नासिक में विभिन्न पर्यटन अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:

योजना का नाम	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
प्रशाद	त्र्यंबकेश्वर, नासिक का विकास	45.41
पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई योजना)	नासिक में राम-काल पथ का विकास	99.14

महाराष्ट्र राज्य सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 10 जुलाई, 2025 के महाराष्ट्र सरकार के राजपत्र के माध्यम से नासिक में आगामी कुंभ मेला 2027 के नियोजन, समन्वय और तैयारियों की देखरेख के लिए नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेला प्राधिकरण (एनटीकेएमए) की स्थापना की गई है। अवसंरचना के विकास और सुरक्षा व्यवस्था संबंधी कार्यों के लिए नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेला प्राधिकरण ने 9,600.30 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। इसके अलावा, उचित नियोजन और सड़क, बिजली, जल आपूर्ति, घाटों तथा सुरक्षा प्रणालियों सहित आवश्यक सुविधाओं का विस्तार सुनिश्चित करने के लिए पुलिस विभाग के समन्वय से नियमित बैठकें आयोजित की जाती हैं।

(ख): सिंहस्थ कुंभ मेला 2026-27 के लिए वित्तीय सहायता जारी करने हेतु कोई प्रस्ताव पर्यटन मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है, क्योंकि महाराष्ट्र राज्य सरकार से निर्धारित प्रारूप में अभी तक कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। हालांकि, विभिन्न मंत्रालयों द्वारा अवसंरचना के व्यापक विकास का कार्य किया जाता है। कुंभ मेला 2027 की तैयारियों के संबंध में सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मूल राष्ट्रीय राजमार्ग [एनएच (ओ)] के तहत विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) पर भीड़भाड़ कम करने के लिए उनके द्वारा कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

(ग): रेल मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारतीय रेल व्यस्ततम समय, त्योहारों, धार्मिक आयोजनों आदि के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को संभालने के लिए विशेष ट्रेनें चलाती हैं। यह यातायात के पैटर्न, व्यावसायिक औचित्य, परिचालन संबंधी व्यवहार्यता और संसाधनों की उपलब्धता आदि को ध्यान में रखते हुए मौजूदा सेवाओं की क्षमता को भी बढ़ाता है। इसके अलावा, रेल मंत्रालय द्वारा सिंहस्थ कुंभ मेला, 2027 को देखते हुए महाराष्ट्र में नासिक और उससे जुड़े हुए क्षेत्रों में प्रमुख रेल अवसंरचना के उन्नयन के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं, ताकि सिंहस्थ कुंभ के दौरान और

अधिक ट्रेनों का संचालन किया जा सके। इसके साथ ही, सिंहस्थ कुंभ मेला के दौरान अधिक ट्रेनों के संचालन हेतु नासिक क्षेत्र में नई लाइनें बिछाने, दोहरीकरण और स्वचालित सिग्नल जैसे कार्य शुरू किए गए हैं। नदी तट के विकास के संबंध में, नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेला प्राधिकरण ने नासिक और त्र्यंबकेश्वर में नदी के तट/घाटों के विकास के लिए 544.19 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है।

(घ): महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वह वैश्विक विज्ञापन और विशेष पहलों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस भव्य उत्सव का संवर्धन और प्रचार करने का प्रयास कर रही है।

*****